MA Sanskrit (446)

Set No. 1

Question Booklet No. 00319

15P/242/31

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No. | | | | | | | | | |

Serial No. of OMR Answer Sheet .....

Day and Date .....

.....

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only ***blue/black ball-point pen*** in the space above and on both sides of the **Answer Sheet**)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall ***except the Admit Card without its envelope.***
3. ***A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.***
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. ***On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.***
6. ***No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.***
7. ***Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfairmeans.***
8. ***Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.***
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only **OMR *Answer Sheet*** at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 32

(उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।)

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

collegedunia
India's largest Student Review Platform

15P/242/31

No. of Questions : 150

प्रश्नों की संख्या : 150

Time : 2 Hours

समय : 2 घण्टे

Full Marks : 450

पूर्णांक : 450

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries **3 (Three)** marks. ***One mark will be deducted for each incorrect answer.*** **Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न **3** (तीन) अंकों का है। ***प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा।*** प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक ***शून्य*** होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.
यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. माध्यन्दिन शाखा is related to-
माध्यन्दिन शाखा से सम्बद्ध वेद है-
(1) ऋग्वेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) अथर्ववेद

02. कात्यायन श्रौतसूत्र belongs to-
कात्यायन श्रौतसूत्र से सम्बन्धित वेद है-
(1) ऋग्वेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) अथर्ववेद

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

03. गोविन्दस्वामी's commentary is on-
गोविन्दस्वामी के भाष्य वाला ग्रन्थ है–

(1) ऐतरेयब्राह्मण
(2) कात्यायन श्रौतसूत्र
(3) कठोपनिषद्
(4) ऋग्वेदीय-अग्निसूक्त

04. अद्भुत ब्राह्मण is related with-
अद्भुत ब्राह्मण से सम्बन्धित वेद है -

(1) ऋग्वेद
(2) यजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) अथर्ववेद

05. "ऋग्वेदभाष्यभूमिका" is a creation of-
"ऋग्वेदभाष्यभूमिका" के रचयिता हैं -

(1) सायण
(2) उद्गीथ
(3) वेंकटमाधव
(4) महीधर

06. "अष्टकक्रम" is the classification of–
"अष्टकक्रम" में विभक्त ग्रन्थ है–

(1) कृष्णयजुर्वेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) ऋग्वेद
(4) सामवेद

07. The Shukla Yajurveda is classified into (chapters are)–
शुक्लयजुर्वेद में अध्याय हैं–

(1) 40 (2) 10 (3) 30 (4) 20

08. "एतावानस्य महिमा" - this fragment of Mantra is related to -
एतावानस्य महिमा से सम्बन्धित सूक्त है–

(1) पुरुष
(2) उषा
(3) वरुण
(4) इन्द्र

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

09. The first Hymn of of Rgveda is -

ऋग्वेद का प्रथम सूक्त है-

(1) अग्निसूक्त
(2) रुद्रसूक्त
(3) पर्जन्यसूक्त
(4) सवितासूक्त

10. "हव्यवाह" - is a name of-

'हव्यवाह' जिसका नाम है, वह है-

(1) सूर्य
(2) अग्नि
(3) विद्युत्
(4) रुद्र

11. "मृऽयाकु:" is taken by Sāyan in the sense of-

"मृऽयाकु:" का सायण सम्मत अर्थ है-

(1) सुखयिता
(2) मर्दयिता
(3) उपहास
(4) पालयिता

12. "वश्मि" - is taken by सायण in the sense of-

"वश्मि" का सायण सम्मत अर्थ है-

(1) वशीकरणम्
(2) कामये
(3) निवास:
(4) दीप्ति:

13. "इष्टापूर्तेन" - is described by सायण as-

"इष्टापूर्तेन" - की सायण ने अर्थ किया है-

(1) श्रौतस्मार्तदानफलेन
(2) कर्मफलेन
(3) अध्यात्मफलेन
(4) त्यागफलेन

14. "कस्य नूनं कतमस्यामृतानाम्" - is read in the hymn of-

"कस्य नूनं कतमस्यामृतानाम्" - जिस सूक्त में पठित है- वह है-

(1) इन्द्र
(2) वरुण
(3) नासदीय
(4) पुरुष

collegedunia
India's largest Student Review Platform

15. "पयसा जवेते"- is a fragment of-

"पयसा जवेते"- से सम्बन्धित सूक्त है-

(1) इन्द्रसूक्त (2) वरुणसूक्त

(3) विश्वामित्र नदी संवादसूक्त (4) पृथिवीसूक्त

16. "निर्भुजसंहितापाठ"- is a kind of-

"निर्भुज संहितापाठ" है-

(1) आर्ष-पाठ (2) जटापाठ

(3) घनपाठ (4) विकृतिपाठ

17. "पुरुषार्थानां वेदयिता वेद उच्यते-" is a definition of-

"पुरुषार्थानां वेदयिता वेद उच्यते-" इस परिभाषा के कर्त्ता हैं-

(1) सायण (2) महीधर

(3) जैमिनि: (4) भट्टभास्कर:

18. The Number of ऋच-s in the first hymn of Ṛgveda is-

ऋग्वेद के प्रथम सूक्त में ऋचाओं की संख्या है-

(1) 9 (2) 11 (3) 14 (4) 15

19. "स्वधा"- is taken by the सायण in the sense of-

सायण-सम्मत, "स्वधा" का अर्थ है-

(1) अन्न (2) वायु

(3) जल (4) आकाश

20. "रज: शब्दो लोकवाची"- is the saying of-

"रज: शब्दो लोकवाची"- इसके वक्ता हैं-

(1) इजलिंग (2) मैक्समूलर

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

(3) सायण

(4) ग्रिफिथ

21. "वज्रबाहु"- is an epithet of -

"वज्रबाहु" जिसकी उपाधि है - वह है-

(1) पुरुष

(2) इन्द्र

(3) पर्जन्य

(4) उषा

22. "पृषदाज्यम्"- is an article of-

"पृषदाज्यम्"- नाम वाला पदार्थ है-

(1) दधिमिश्रित आज्य

(2) मधु-लाजा-मिश्रण

(3) सोम-दुग्धमिश्रण

(4) जल-घी मिश्रण

23. The case in दाशुषे is-

"दाशुषे" में विभक्ति है-

(1) चतुर्थी

(2) पञ्चमी

(3) सप्तमी

(4) प्रथमा

24. The contextual meaning of सूपायनः is-

प्रकरणानुसार "सूपायनः" का अर्थ है-

(1) शोभनरूप से प्राप्ति

(2) सुपान

(3) सुयान

(4) सुन्दरप्राण

25. Uvata (उवट) has been a commentator of-

"उवट" ने व्याख्या की है जिस वेद शाखा की, वह है-

(1) माध्यन्दिन

(2) पैप्पत्माद

(3) कपिष्ठल

(4) शौनक

collegedunia
India's largest Student Review Platform

26. रथन्तर is a special type of–

रथन्तर है - एक–

(1) साम
(2) प्रयाज
(3) अनुयाज
(4) ऋत्विज

27. "वैराज"- is a name of

"वैराज" है एक-

(1) छन्द
(2) साम
(3) हवनकुण्ड
(4) अध्वर्यु:

28. "सहवामेन"- is related with–

"सहवामेन" से सम्बद्ध सूक्त है -

(1) उषासूक्त
(2) पुरुषसूक्त
(3) शिवसंकल्पसूक्त
(4) नासदीयसूक्त

29. The name of the Vedic-commentary by सातवलेकर is-

"श्रीसातवलेकर"- द्वारा रचित वेदभाष्य का नाम है-

(1) सुबोधभाष्य
(2) वेदप्रदीप:
(3) वेदार्थप्रकाश:
(4) सुबोधिनी

30. "गमा"- is a synonym of-

"गमा"- जिसका पर्यायवाची शब्द है - वह है-

(1) पृथिवी
(2) आकाश
(3) वाणी
(4) सामगान

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

31. "आपस्तम्बगृह्यसूत्र"- belongs to–

"आपस्तम्बगृह्यसूत्र" से सम्बन्धित वेद है-

(1) अथर्ववेद
(2) कृष्णयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) ऋग्वेद

32. "परमावटिक" is a branch of-

"परमावटिक"- शाखीय वेद है-

(1) कृष्णयजुर्वेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) अथर्ववेद

33. "वैतान श्रौतसूत्र"- is related with-

"वैतान श्रौतसूत्र"- से सम्बन्धित है-

(1) अथर्ववेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) कृष्णयजुर्वेद

34. The sentence- "हेतुर्निर्वचनं निन्दा प्रशंसा संशयो विधि:" defines the subject matter of–

"हेतुर्निर्वचनं निन्दा प्रशंसा संशयो विधि:" - जिसको परिभाषित करता है वह ग्रन्थ है–

(1) कठोपनिषद्
(2) ब्राह्मण
(3) आरण्यक
(4) गीता

35. "संहितोपनिषद्ब्राह्मण"- belongs to–

संहितोपनिषद्ब्राह्मण से सम्बद्ध वेद है–

(1) शुक्लयजुर्वेद
(2) ऋग्वेद
(3) अथर्ववेद
(4) सामवेद

collegedunia
India's largest Student Review Platform

36. "कौशिकगृह्यसूत्र"- is related with-

कौशिकगृह्यसूत्र से सम्बन्धित वेद है-

(1) अथर्ववेद
(2) ऋग्वेद
(3) सामवेद
(4) शुक्लयजुर्वेद

37. ब्रह्मवेद is an another name of-

ब्रह्मवेद का अर्थ है-

(1) अथर्ववेद
(2) सामवेद
(3) ऋग्वेद
(4) यजुर्वेद

38. "उपद्रव"- is a type of-

"उपद्रव"- जिसकी विधा है - वह है-

(1) कर्मकाण्ड
(2) सामगान
(3) इष्टि
(4) सोमयाग

39. The creation of "Peter Peterson" is -

(1) Hymns Form Rgveda
(2) Vedic-selection
(3) New vedic-selection
(4) Sparks from the Vedic-Fire

"पीटर-पीटर्सन" की रचना है-

(1) ऋग्वेद से स्त्रोत्र
(2) वेद से चयनित
(3) नये वेद से चयनित
(4) वेद के अग्नि से निकली चिनगारी

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

40. "आश्वलायन श्रौतसूत्र"- belongs to-

"आश्वलायन श्रौतसूत्र" से सम्बन्धित वेद है-

(1) ऋग्वेद
(2) शुक्लयजुर्वेद
(3) सामवेद
(4) अथर्ववेद

41. "On the vedas"- is a vedic work of :

'on the Vedas'- के रचनाकार हैं-

(1) योगिराज अरविन्द
(2) ग्रिफिथ
(3) लक्ष्मणस्वरूप
(4) मधुसूदन ओझा

42. "ऐतरेय ब्राह्मण"- has been translated in to English by-

"ऐतरेय ब्राह्मण" के अंग्रेजी अनुवादक हैं-

(1) अरविन्द
(2) किरीट जोशी
(3) चित्रस्वामी
(4) ए०बी० कीथ

43. "समाम्नाय: समाम्नात:"- is a first sentence of-

"समाम्नाय: समाम्नात:" जिस ग्रंथ का पहला वाक्य है- वह है-

(1) शतपथ ब्राह्मण
(2) मनुस्मृति
(3) निरुक्त
(4) शुक्लयजुर्वेद

44. The meaning of "अश्वमघा" is-

"अश्वमघा"- का अर्थ है-

(1) अश्वधन वाला
(2) अश्व का मूल्य
(3) अश्व का अभिषेक
(4) अश्वपालक

collegedunia
India's largest Student Review Platform

45. "शचीपति"- is a name of-

"शचीपति" जिसका नाम है - वह है-

(1) इन्द्र (2) वरुण

(3) अग्नि (4) रुद्र

46. "गीतिषु सामाख्या"- is an aphorism of-

"गीतिषु सामाख्या"- इस सूत्र के रचनाकार हैं-

(1) कपिल (2) कणाद

(3) जैमिनि: (4) पतञ्जलि

47. पूर्वार्चिक contains the Number of प्रपाठक- S-

पूर्वार्चिक में प्रपाठकों की संख्या है-

(1) 4 (2) 5 (3) 6 (4) 10

48. "वेदानां सामवेदोऽस्मि" is read in-

"वेदानां सामवेदोऽस्मि"- इस श्लोक वाला ग्रन्थ है-

(1) रघुवंश (2) गीता

(3) वाल्मीकि रामायण (4) चरणव्यूह

49. "श्रुतं मे गोपाय" is found in-

"श्रुतं मे गोपाय" - के उल्लेख वाला ग्रन्थ है-

(1) तैत्तिरीय उपनिषद् (2) ईशोपनिषद्

(3) कठोपनिषद् (4) छान्दोग्योपनिषद्

50. Which is the Veda, that becomes ***not*** the part of वेदत्रयी -

कौन-सा वेद वेदत्रयी का भाग ***नहीं*** है-

(1) सामवेद (2) यजुर्वेद

(3) ऋग्वेद (4) अथर्ववेद

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

51. "भर्म" – is a name of-

"भर्म" का अर्थ है–

(1) मृत्तिका (2) हिरण्य

(3) अयस् (4) रजत

52. The number of chapters in "Nighantu" is-

'निघण्टु' में अध्यायों की संख्या है–

(1) पाँच (2) छह (3) आठ (4) दस

53. शुल्बसूत्र–s- are counted in-

शुल्बसूत्रों की जिसमें गणना होती है- वह है–

(1) निरुक्त (2) छन्द

(3) कल्प (4) व्याकरण

54 "मुण्डकोपनिषद्" is related with-

मुण्डकोपनिषद् से सम्बन्धित वेद है-

(1) अथर्ववेद (2) यजुर्वेद

(3) सामवेद (4) ऋग्वेद

55 विश्वामित्र is the sur of the Mandal-

विश्वामित्र जिस मंडल के ऋषि हैं- वह है–

(1) तीसरा (2) चौथा

(3) पंचम (4) षष्ठ

56. मैत्रायणीशाखा belongs to-

मैत्रायणीशाखा से सम्बन्धित वेद है–

(1) कृष्णयजुर्वेद (2) शुक्लयजुर्वेद

(3) ऋग्वेद (4) सामवेद

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

57. Langlois has translated the ऋग्वेद in-

Langlois ने ऋग्वेद का जिस भाषा में अनुवाद किया है- वह है-

(1) English (अंग्रेजी)
(2) French (फ्रेंच)
(3) Germon (जर्मन)
(4) Italian (इटली)

58. तर्क भाषा is a creation of-

तर्कभाषा के रचनाकार हैं-

(1) केशवमिश्र
(2) अन्नंभट्ट
(3) जैमिनि
(4) कुमारिलभट्ट

59. पदार्थधर्मसंग्रह is a commentary on-

पदार्थधर्मसंग्रह - जिसका भाष्य है- वह है-

(1) सांख्यसूत्र
(2) वैशेषिकसूत्र
(3) मीमांसासूत्र
(4) वेदान्तसूत्र

60. According to the तर्कसंग्रह, गन्धवती is a definition of -

तर्कसंग्रह के अनुसार "गन्धवती" - लक्षण वाला है-

(1) जल
(2) तेज
(3) वायु
(4) पृथिवी

61. सत्कार्यवाद is a theory of -

सत्कार्यवाद के सिद्धान्त वाला ग्रन्थ है-

(1) सांख्यकारिका
(2) वेदान्तसार
(3) तर्कसंग्रह
(4) जैनदर्शनसार

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

62. '16' categories of substances are described in-

'16'- पदार्थों का उपदेशक ग्रंथ है–

(1) तर्कसंग्रह (2) तर्कभाषा

(3) सांख्यकारिका (4) अर्थसंग्रह

63. "अल्पाक्षर"- is a feature of-

"अल्पाक्षर" - जिसका लक्षण है- वह है-

(1) सूत्र (2) व्याख्या

(3) वृत्ति (4) फक्किका

64. "उत्तिष्ठत जाग्रत"- is read in–

"उत्तिष्ठत जाग्रत"- के पाठ वाला ग्रन्थ है-

(1) बृहदारण्यकोपनिषद् (2) कठोपनिषद्

(3) ईशोपनिषद् (4) छान्दोग्योपनिषद्

65. प्रकृति - पुरुष are described in-

प्रकृति–पुरुष की व्याख्या वाला दर्शन है–

(1) वेदान्त (2) सांख्य

(3) न्याय (4) मीमांसा

66. The sovitient substance in सांख्यकारिका is-

सांख्यकारिका में चेतनतत्त्व (माना गया) है-

(1) पुरुष (2) प्रकृति

(3) दोनों को (4) आकाश को

67. The meaning of "महत्", in the context of सांख्य दर्शन is-

सांख्यदर्शन के प्रसंग में "महत्" का अर्थ है-

(1) प्रकृति (2) पुरुष

(3) गुणत्रय (4) बुद्धि

collegedunia
India's largest Student Review Platform

68. सांख्यप्रवचनभाष्य has been created by-
सांख्यप्रवचनभाष्य के रचयिता है-

(1) विज्ञानभिक्षु (2) वाचस्पति मिश्र
(3) कुमारिलभट्ट (4) मण्डन मिश्र

69. शबर स्वामी- is commentary is available on-

शबरस्वामी का भाष्य जिस पर उपलब्ध होता है- वह है-

(1) चार्वाकदर्शन (2) पूर्वमीमांसादर्शन
(3) बौद्धदर्शन (4) जैनदर्शन

70. Pleasure giving attribute in सांख्यदर्शन is-
सांख्यदर्शन का प्रीत्यात्मक गुण है-

(1) रज: (2) तम:
(3) सत्त्व (4) रस

71. "न्यायसूत्रवृत्ति" is a work of-

"न्यायसूत्रवृत्ति" के रचयिता हैं-

(1) विश्वनाथ (2) गौतम
(3) कणाद (4) भार्तृमित्र

72. अपवर्ग derivcs from -
अपवर्ग की जिससे प्राप्ति होती है- वह है-

(1) कर्मकाण्ड (2) सदाचार
(3) अध्ययन (4) ज्ञान

73. The author of "न्यायसुधा" is-

"न्यायसुधा" के रचयिता हैं-

(1) कपिल (2) ईश्वरकृष्ण
(3) सदानन्द योगी (4) सोमेश्वरभट्ट

collegedunia
India's largest Student Review Platform

74. The number of Purana (पुराण-s) is-

पुराणों की संख्या है-

(1) 25 (2) 20 (3) 18 (4) 16

75. रसना-ग्राह्यगुण- is-(quality apprehended by tongue is)-

रसना-ग्राह्यगुण है-

(1) रस (2) रूप

(3) गंध (4) स्पर्श

76. देवीभागवत- is a name of-

देवीभागवत-ग्रंथ है-

(1) स्मृति ग्रंथ (2) पुराण ग्रन्थ

(3) उपनिषद् ग्रंथ (4) महापुराण ग्रन्थ

77. "यज्ञतत्त्वप्रकाश"- is a written by-

"यज्ञतत्त्वप्रकाश" के रचयिता हैं-

(1) पट्टाभिरामशास्त्री (2) चित्रस्वामी

(3) मण्डन मिश्र (4) बलदेव उपाध्याय

78. Two forms of sacrifice are -

याग के जो दो रूप हैं, वे हैं-

(1) द्रव्य एवं देवता (2) ज्ञान एवं कर्म

(3) ईश्वर एवं जीव (4) अग्नि एवं वेदा

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

79. In the view of Meemamsa, Veda is as such-

मीमांसा की दृष्टि से वेद के प्रकार हैं-

(1) विधि-मंत्र-नामधेय निषेध-अर्थवाद

(2) मन्त्र एवं ब्राह्मण

(3) द्रव्य एवं देवता

(4) चारों वेद एवं वेदांग

80. "अग्निष्टोमेन स्वर्ग कामो यजेत" is a-

"अग्निष्टोमेन स्वर्ग कामो यजेत" है-

(1) विधिवाक्य (2) मंत्रवाक्य

(3) प्रेरणावाक्य (4) श्रौतयागवचन

81. "बुद्धिरात्मा"- reflects the idea of-

"बुद्धिरात्मा"- से सम्बन्धित है-

(1) चार्वाक (2) बौद्ध

(3) वेदान्त (4) मीमांसा

82. "तत्त्वमसि"- is called-

"तत्त्वमसि" माना जाता है-

(1) महावाक्य (2) अनुभववाक्य

(3) विधिवाक्य (4) प्रैषवाक्य

83. "धर्मसारमिदं जगत्"- is read in-

"धर्मसारमिदं जगत्"- इस वाक्य वाला ग्रन्थ है-

(1) गीता (2) वाल्मीकि रामायण

(3) नीतिशतक (4) उत्तररामचरित

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

84. "वेदभाष्यभूमिकासंग्रह"- is a work of-

"वेदभाष्यभूमिकासंग्रह"- के रचयिता हैं-

(1) आचार्य सायण
(2) उवट
(3) महीधर
(4) स्कन्दस्वामी

85. सूक्ष्मशरीर is a cluster of-

सूक्ष्मशरीर के अवयव हैं-

(1) 17
(2) 15
(3) 10
(4) 5

86. "विद्ययाऽमृतमश्नुते"- is found in-

"विद्ययाऽमृतमश्नुते"- से सम्बन्धित ग्रंथ है-

(1) ईशावास्योपनिषद्
(2) छान्दोग्योपनिषद्
(3) कठोपनिषद्
(4) केनोपनिषद्

87. The definition of श्रुति is -

श्रुति का लक्षण है-

(1) निरपेक्षोरव:
(2) विधात्री
(3) विनियोत्री
(4) विभक्तिरूपा

88. "पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यम्" is completed with word-

"पुरुषस्य निवर्तकं वावयम्"- को पूर्ण करने वाला शब्द है-

(1) विधि:
(2) निषेध:
(3) प्रयाज:
(4) भावना

89. "प्रकृति"- of all इष्टि-s is-

सभी इष्टियों की प्रकृति है-

(1) अतिथ्येष्टि
(2) प्रवर्ग्य
(3) प्रयाज
(4) दर्शपूर्णमास इष्टि

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

90. "केवलाघो भवति केवलादी"- is read in-

"केवलाघो भवति केवलादी" से सम्बन्धित ग्रन्थ है-

(1) ऋग्वेद (2) विष्णुपुराण
(3) कात्यायन श्रौतसूत्र (4) कठोपनिषद्

91. पञ्चदशी is a book on-

पञ्चदशी से सम्बन्धित दर्शन है-

(1) मीमांसा दर्शन (2) वेदान्त दर्शन
(3) बौद्ध दर्शन (4) सांख्य दर्शन

92. "आदित्यो ह वै प्राणो रयिरेव चन्द्रमा"- is read in-

आदित्यो ह वै प्राणो रयिरेव चन्द्रमा- से सम्बन्धित ग्रन्थ है-

(1) ईशोपनिषद् (2) कठोपनिषद्
(3) छान्दोग्योपनिषद् (4) प्रश्नोपनिषद्

93. "महान प्रभुर्वै पुरुषः"- is read in-

महान प्रभुर्वै पुरुषः का जिसमें पाठ है- वह ग्रन्थ है-

(1) श्वेताश्वतरोपनिषद् (2) कठोपनिषद्
(3) छान्दोग्योपनिषद् (4) प्रश्नोपनिषद्

94. "प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः"- is a definition of -

"प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः " - जिसका लक्षण है - वह है-

(1) प्रयोगविधिः (2) निवर्तकवाक्य
(3) अर्थवादवाक्य (4) सामान्यवाक्य

95. "अर्थालोक"- is a टीका on-

"अर्थालोक"- टीका से सम्बन्धित है-

(1) तर्कसंग्रह (2) तर्कभाषा
(3) सर्वदर्शनसंग्रह (4) अर्थसंग्रह

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

96. The word 'गुरुमतम्' Meemamsa philosophy is used for-

" गुरुमतम्''- से मीमांसा दर्शन में जिसके मत का उल्लेख होता है- वह हैं-

(1) प्रभाकर मिश्र
(2) कुमारिलभट्ट
(3) लौगाक्षिभास्कर
(4) शालिकनाथ

97. "काव्यं यशसे"- is read in-

"काव्यं यशसे"- के उल्लेख वाला ग्रन्थ है-

(1) साहित्यदर्पण
(2) काव्यप्रकाश
(3) काव्यादर्श
(4) ध्वन्यालोक

98. "पत्रदूतम्" a creation of -

"पत्रदूतम्" के रचयिता है -

(1) सत्यव्रत शास्त्री
(2) गौरीनाथ शास्त्री
(3) पट्टाभिराम शास्त्री
(4) बटुकनाथ शास्त्री

99. "मुद्राराक्षस"- is drama work by -

"मुद्राराक्षस"- के रचनाकार हैं-

(1) भवभूति
(2) विशाखदत्त
(3) विश्वनाथ
(4) भास

100. "न प्रभातरलं ज्योतिरुदेतिवसुधातलात्"- is a maxim of-

"न प्रभातरलं ज्योतिरुदेतिवसुधातलात्"- यह सूक्ति जिसकी है वह है-

(1) कालिदास
(2) वाल्मीकि
(3) दण्डी
(4) माघ

101. "दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्"- this maxim is found in -

"दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्"- इस सूक्ति वाला ग्रन्थ है-

(1) मेघदूतम्
(2) रघुवंशम्
(3) वेणीसंहारम्
(4) कुमारसंभवम्

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

102. "सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि"- is found in-

"सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि"- इस सूक्ति वाला ग्रन्थ है-

(1) रघुवंशम्
(2) किरातार्जुनीयम्
(3) मेघदूतम्
(4) ऋतुसंहारम्

103. "विश्वेश्वर पण्डित"- is the author of-

"विश्वेश्वर पण्डित"- की रचना है-

(1) रसतरङ्गिणी
(2) चित्रमीमांसा
(3) काव्यरत्नम्
(4) उपरोक्त में कोई नहीं

104. "सर्वं परित्यज्य विद्वान् धर्मं समाचरेत्" - is read in -

"सर्वं परित्यज्य विद्वान् धर्मं समाचरेत्" -से सम्बन्धित ग्रन्थ है-

(1) गीता
(2) महाभारत
(3) स्कन्द पुराण
(4) कल्कि पुराण

105. The author of निघण्टु is-

निघण्टु के रचयिता हैं-

(1) क्षेमेन्द्र
(2) गुणाढ्य
(3) कश्यप प्रजापति
(4) विद्याधर

106. दुर्गाचार्य has been a commentator of -

दुर्गाचार्य की व्याख्या से सम्बन्धित ग्रंथ है-

(1) निरुक्त
(2) योगसूत्र
(3) न्यायसूत्र
(4) पाणिनिसूत्र

107. The Number of अंक-s in मुद्राराक्षस- is-

मुद्राराक्षस में अंकों की संख्या है-

(1) 7 (सात)
(2) 10 (दस)
(3) 6 (छह)
(4) 5 (पाँच)

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

108. In each पाद of प्रहर्षिणी metre the number of syllable becomes -

प्रहर्षिणी छन्द के प्रत्येक पाद में वर्णों की संख्या होती है-

(1) 9 (2) 10 (3) 12 (4) 13

109. "इन्द्रवज्रा"- is a metre of-

"इन्द्रवज्रा"- छन्द में वर्णों की संख्या होती है-

(1) 32 (2) 40 (3) 44 (4) 48

110. "स दोषः सचिवस्यैव यदसत् कुरुते नृपः" - is found in -

स दोषः सचिवस्यैव यदसत् कुरुते नृपः - इससे सम्बन्धित ग्रंथ है

(1) मुद्राराक्षसम् (2) वेणीसंहारम्

(3) स्वप्नवासवदत्तम् (4) उत्तररामचरितम्

111. "विप्रेशस्त्रग्रहणगुरुणः साहसिक्याद्विभेमि"- is found in -

"विप्रेशस्त्रग्रहणगुरुणः साहसिक्याद्विभेमि"- इस से सम्बन्धित ग्रन्थ है-

(1) उत्तररामचरितम् (2) प्रतिमानाटकम्

(3) हनुमन्नाटकम् (4) वेणीसंहारम्

112. The first sermon of the great Geeta was imparted by Lord to-

महान गीता का प्रथम उपदेश जिस भगवान् ने दिया था, वह थे-

(1) याज्ञवल्क्य (2) मनु

(3) विवस्वान् (4) नारद

113. "सदाभिमानैकधना हि मानिनः" - is a maxim of-

"सदाभिमानैकधना हि मानिनः"- इस सूक्ति वाला ग्रंथ है-

(1) शिशुपालवधम् (2) रघुवंशम्

(3) मेघदूतम् (4) किरातार्जुनीयम्

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

114. "व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा"- is found in -

"व्यवहारेण मित्राणि जायन्ते रिपवस्तथा"- यह सूक्ति पठित ग्रन्थ है-

(1) हितोपदेश
(2) नीतिशतकम्
(3) विदुरनीति:
(4) नीतिमञ्जरी

115. प्रतिषेध: प्रसिद्धानां कारणानामनादर:- is read in-

प्रतिषेध: प्रसिद्धानां कारणानामनादर:- यह सूक्ति पठित ग्रन्थ है-

(1) दशरूपक
(2) अर्थसंग्रह:
(3) मेघदूत
(4) चन्द्रालोक

116. "पाशुपतसूत्रम्"- is a book on-

"पाशुपतसूत्रम्" - सम्बद्धग्रन्थ है-

(1) शैवागम
(2) वैष्णवागम
(3) शाक्तागम
(4) कौलाचार

117. The book which counted in the cluster of श्री विद्या related books - is-

श्री विद्या वाले ग्रंथों में जिसकी गणना होती है- वह है-

(1) कर्मकाण्डप्रदीप
(2) ग्रहशान्ति प्रयोग
(3) मन्त्रमहोदधि
(4) श्यामासपर्यापद्धति

118. विश्वकर्मा is counted as a-

विश्वकर्मा माने जाते हैं-

(1) कथाकार
(2) गद्यकार
(3) पद्यकाव्यकार
(4) शिल्पशास्त्र के उपदेशक

119. "कुन्ता: प्रविशन्ति"- is an example of-

"कुन्ता: प्रविशन्ति"- यह जिसका उदाहरण है- वह है-

(1) अभिधा
(2) लक्षणा
(3) व्यञ्जना
(4) वक्रोक्ति

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

120. "विश्वकर्मप्रकाश"- belongs to

विश्वकर्मप्रकाश से सम्बन्धित शास्त्र है-

(1) वास्तुशास्त्र (2) दर्शन
(3) स्मृति (4) काव्य

121. Rhetoric theory is -

काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों में गणना होती है- जिसकी वह है-

(1) उपमा (2) वंशस्थ
(3) निदर्शना (4) अलंकार सिद्धान्त

122. श्रव्य काव्य includes -

श्रव्यकाव्य में गणना जिसकी होती है- वह है-

(1) पद्यकाव्य (2) दर्शन
(3) नाटक (4) धर्मशास्त्र

123. Which one is counted in कथा साहित्य ?

कथा साहित्य है-

(1) पञ्चतन्त्र (2) मेघदूत
(3) रघुवंश (4) कुमारसंभव

124. The सन्धि in उपेन्द्रः is -

उपेन्द्रः में सन्धि है-

(1) वृद्धिः (2) गुण
(3) पररूप (4) पूर्वरूप

125. "वान्तो यि प्रत्यये"- applies to-

"वान्तो यि प्रत्यये" का उदाहरण है-

(1) नाव्यम् (2) गम्यम्
(3) आदित्यः (4) कार्यम्

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

126. "वा शरि"- applies to-

"वा शरि" का उदाहरण है–

(1) विष्णुस्त्राता

(2) हरि:शेते - हरिश्शेते

(3) अघो या हि

(4) यश:काय:

127. "सर्वस्मै"- is in the -

"सर्वस्मै" में विभक्ति है-

(1) तृतीया

(2) चतुर्थी

(3) सप्तमी

(4) अव्यय है

128. "सर्वस्यै"- is in -

"सर्वस्यै" में लिंग है-

(1) पुल्लिंग

(2) स्त्रीलिंग

(3) नपुंसक लिंग

(4) स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग

129. The meaning of "धात्यंश:" is -

"धात्यंश:" का अर्थ है-

(1) शक्ति का अंश

(2) धातु का अंश

(3) आँवला का अंश

(4) ब्रह्मा का अंश

130. The meaning of "गङ्गौघ:" is -

"गङ्गौघ:" का अर्थ है-

(1) गंगा प्रवाह

(2) जल प्रवाह

(3) धारा प्रवाह

(4) गंगा जल

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

131. "अहरह:"- gives the sense of-

"अहरह:"- का अर्थ है-

(1) बड़ा आश्चर्य
(2) चमत्कार
(3) प्रतिदिन
(4) प्रतिवर्ष

132. The meaning of "पुनारमते"- is -

"पुनारमते" का अर्थ है-

(1) पुन: खेलता है
(2) पुरुष नहीं खेलता
(3) दूसरे विचार से
(4) फिर से नहीं खेलता

133. "बिभ्यति"- is in-

"बिभ्यति" में वचन है-

(1) एकवचन
(2) द्विवचन
(3) बहुवचन
(4) अव्यय

134. "अगोपीत्"- is the form of-

"अगोपीत्" में लकार है-

(1) लङ्
(2) लुङ्
(3) लिट्
(4) लृङ्

135. In "जघान"- लकार is

"जघान" में लकार है-

(1) लट्
(2) लिट्
(3) लङ्
(4) लृट्

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

136. "पीताम्बर:"- is an example of -

"पीताम्बर:"- में है-

(1) कर्मधारय समास
(2) बहुब्रीहि समास
(3) सुप्सुपा समास
(4) एकशेष समास

137. The organ for pronunciation "प" is-

"प" का उच्चारण स्थान है-

(1) ओष्ठ
(2) जिह्वा
(3) नासिका
(4) मूर्धा

138. The word "मुनित्रय" excludes-

"मुनित्रय" में जिनकी गणना नहीं होती - वे हैं-

(1) पाणिनी
(2) कात्यायन
(3) पतञ्जलि
(4) कैय्यट

139. प्रत्यय (Suffix) in "गौरी" is-

"गौरी" में प्रत्यय है-

(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) क्विन्
(4) ङीन्

140. "शश्रू:" is made of-

"शश्रू:" में है-

(1) ऊङ् प्रत्यय
(2) "ऊ" प्रत्यय
(3) उवङ् प्रत्यय
(4) अव्यय शब्द है

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

141. The suffix (प्रत्यय) in "सपत्नी" is-

"सपत्नी" में प्रत्यय है-

(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ङीन्
(4) कोई नहीं

142. The word "पतिवत्नी"- gives the sense of -

"पतिवत्नी"- का अर्थ है-

(1) जीवित पति वाली
(2) प्रोषितभर्तृका
(3) पतिव्रता
(4) सुन्दरपत्नी

143. Street is called in Sanskrit-

"गली"- के लिए संस्कृत शब्द है-

(1) पट्टनम्
(2) पूः
(3) रथ्या
(4) वेशः

144. James R. Ballantyne has translated (in English)-

जेम्स आर. बैलेन्टाईन ने जिस ग्रंथ का अंग्रेजी में अनुवाद किया है- वह है-

(1) लघुसिद्धान्त कौमुदी
(2) पाणिनीय धातु वृत्ति
(3) धातुरूपनन्दिनी
(4) "सुधा" टीका

145. "नलचम्पू"- is a work of-

"नलचम्पू"- के रचयिता हैं-

(1) नन्दिकेश्वर
(2) भरतमुनि
(3) त्रिविक्रमभट्ट
(4) भट्टिकवि

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

146. Albrecht Weber was the vedic-scholar of -

"अलवर्ट वेबर" (वैदिक विद्वान) था-

(1) अमेरिका का
(2) जर्मनी का
(3) फ्रांस का
(4) भारत का

147. The "Philosophy of word and meaning" is a book written by-

The "फिलॉसफी ऑफ वर्ड एन्ड मीनिंग"- के रचयिता है-

(1) प्रो० गौरीनाथ शास्त्री
(2) प्रो० अशोक शास्त्री
(3) प्रो० पट्टाभिराम शास्त्री
(4) प्रो० कैलाशपति शास्त्री

148. The example of "पराजेरसोढ:" is-

"पराजेरसोढ:"- का उदाहरण होगा -

(1) हिमालयाद् गंगा प्रभवति
(2) सिंहाद् बिभेति
(3) अध्ययनात् पराजयते
(4) गुरोरधीते विद्याम्

149. "जनिकर्तु: प्रकृति"- applies to-

"जनिकर्तु: प्रकृति" का प्रवृत्तिनिमित्तक उदाहरण है-

(1) पापाज्जुगुप्सते
(2) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति
(3) धर्मात् प्रमाद्यति
(4) ब्रह्मण: प्रजा: प्रजायन्ते

150. In the connection of -

वषट् in sentence, the case is -

"वषट्" के योग में विभक्ति लगती है-

(1) तृतीया
(2) चतुर्थी
(3) पञ्चमी
(4) सप्तमी

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में ***लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त,*** लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. ***उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।***
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. ***उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर अंकित स्थानों पर लिखें।***
6. ***ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।***
7. ***उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।***
8. ***प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।***
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ***ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।***
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त *केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र* परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform